HR14-1-4-HI

विज्ञान जानता है कि संसार की शुरुवात है भाग 4

आज द जॉन एंकरबर्ग शो में, आधुनिक विज्ञान खोज निकलता है कि संसार की एक शुरवात है, इस खोज को किस तरह उपयोग कर सकते हैं? ये वचन कि आदि में परमेश्वर ने आकश और पृथ्वी की सृष्टि की, वो वही बताता है जो विज्ञान ने खोज निकाला है, एस्ट्रोनॉमर जोर्ज स्मूथ, यूनिवर्सिटी ऑफ़ कैलिफोर्निया ने घोषित किया है, हमने जो पाया है वो पृथ्वी के जन्म का सबूत है/ इन्होंने कहा कि ये परमेश्वर की ओर देखना है/

एम्पल पंजी जिन्हें फिजिक्स में नोबल प्रोइस मिला हैं कोस्मिक बैकग्राउंड रेदिएष्ण की खोज के लिए, वो कहते हैं, एस्ट्रोनॉमी हमे अद्भुत घटना की ओर लेकर जाती है, ये संसार जो शून्य में से बनाया है/ एक बहुत ही बेचिदा बाउंस जरुर थी कि सही परिस्थिति बन सके, कि जीवन को ने दे, और शायद कोइ ये ने दबा था, या कहे आलौकिक योजना/

एस्त्रोनोमार जोर्ज ग्रीन टाइन ने अपनी किताब सिम्बोलिक यूनिवर्स में कहा कि क्या ये संभव है कि अचानक बिना किसी मकसद से, हम वैज्ञानिक सबूतों पर लडखडा गयें, उस आलौकिक के अस्तित्व के बारे में,

और स्टीफन हॉकींग ने कहा है, “ये बताना तो बहुत ही मुश्किल है, कि संसार इस तरह से क्यों शुरू हुआ है ये तो केवल परमेश्वर का काम है जिसके हमारे जैसे मनुष्यों को इस तरह से बनाना चाहा.”

आज मेरे मेहमान हैं एस्ट्रोम्नोमेर ह्यु रोस, जिन्होंने एस्त्रोनोमी में पि एच दी की हैं/ यूनिवर्सिटी ऑफ टोरंटो से./ और पोस्ट डाक्टरल रिसर्च किया है, कैलटेक एक्वेज्ञ में/ ये बहुत सी किताबों के लेखक हैं, जिसमे इनकी नई किताब है, नैवेगेटिंग जेनिसेस/ हम न्यौता देते हैं कि हमारे साथ जुड़ जाएं/

***

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः प्रोग्राम में स्वागत है, आप इसे चूकना नही चाहेगे, हम चर्चा करेगें, चाँद पर, बताएँगे कि हमारा सूरज कितना अद्भुत है और आकाश में इतने तारे क्यों हैं, 50 बिलियन ट्रिलियन तारे हैं, ये सब जरूरी है, इनकी जरूरत हैं, और आप कहेगे, हम किस बारे में कह रहे हैं, एस्ट्रोनोमर और एस्ट्रोफिजिसिस्ट डॉक्टर ह्यू रॉस, और हम आपको इनकी अद्भुत डोक्युमेंटरी मूवी की क्लिप दिखा रहे हैं, नाम है, जरनी टुवर्ड क्रिएशन, जो हमें चिन्ह देती है और ये एनीमेटेड है, कि आप देख सके, कि हम क्या बता रहे हैं, इस वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जिस पर हम चर्चा कर रहे हैं, हम साथ ही देख रहे हैं, उत्पत्ति अध्याय 1, प्रभु ने क्या कहा और ये अद्भुत जानकारी क्या थी और ये वैज्ञानिक जानकारी के साथ कैसे जुड़ता है. हम जैसे इसे देखते हैं, सुंदर रूप में, जैसे हम आगे बढ़ेगे और इसे देखते जाएगे, लेकिन चलिए शुरू करते हैं, चाँद के बारे में इस क्लिप से, मैं इस वैज्ञानिक सबूतों से चकित होता हूँ.

जरनी टुवर्ड क्रिएशन से क्लिप

हमारा चाँद के भेड़ भरे Astronomer हैं, ये तो पृथ्वी की तूलना में बहुत ही बड़ा है, कि पृथ्वी और चाँद को दो ग्रह का सिस्टम कहते हैं/ लेकिन गुरुत्वाकर्षण का अध्यन बताता है कि ऐसा

कोई ग्रह नही है, जो एक ही गैस और धुल के बादल से बना हो/ जो तारे के इतने पास हो जितने हम सूरज के पास हैं/ लेकिन चाँद बाद में बना होगा/ किसी असाधारण क्रिया द्वारा/

चाँद का विवरण देखने पर हमे पता चलता है कि लूनर चट्टान तो पृथ्वी की चट्टान से केमिकली रूप में अलग हैं/ लूनर चट्टान के Radio Active Decay होने का अध्यन करने पर/ खोज कर्ताओं ने जाना कि चाँद तो सच में, पृथ्वी से 100 मिलियन साल छोटा है/

1990 में, चाँद के अस्तित्व के बारे में जो थेयरी अस्तित्व में थी, वो वैज्ञानिकों द्वारा खुले रूप में स्वीकार किया था/ इस थेयरी के अनुसार, Mars के आकार की कोई चीज़, नई बनाई गई पृथ्वी से टकराया, लगभग साडे 4 बिलियन साल पहले. ज्यादातर हिस्सों को पुथ्वी ने खिंच लिया, लेकिन इस Collusion ने बहुत से धुल और मिटटी के तत्वों को पृथ्वी के आस-पास के वातावरण को भर दिया/ और समय बीतने पर गुरुत्वाकर्षण ने उन चीजों को खिंचकर एक Solid Body बना ली/ वही चाँद है/ इस बिच पृथ्वी का पूरा वातावरण चला गया/ और निकली हुई Gas से नया और इससे पतला वातावरण बनने लगा/ पृथ्वी के cluster matarieal से/

ऐसा Colusion शायद विनाशक दिखे लेकिन उसने उसका उल्टा ही साबित किया/ इसने पृथ्वी के गुणों में इतना बदलाव लाया, जिसके कारण ये ग्रह अद्भुत रूप में जीवन के लिए बिलकुल सही हो गया/

Collusion के इन सारी घटनाओं के कारण पृथ्वी की सहायता ही हुई, पहले मनुष्य जीवन तो लड़खड़ाता था, जो ग्रह पृथ्वी से टकराया जरूरी था कि वो सही आकार का हो, जो सही Velocicy में चल रहा हो/ जो सही कोण में टकराए, जो सही तत्वों से वना हो, और सही समय पर ये सब हो, कि ये पृथ्वी ग्रह की उन्नति हो/ यदि इन में से कुछ भी कुछ प्रतिशत कम होता, तो पृथ्वी आज भी बाँझ ही होती/ जब तक ये प्रभाव नही होता, पृथ्वी का वातावरण तो अब से बहुत ही भारी होता, वो तो हमारे पडौसी ग्रह Venus से भी ज्यादा भारी होता/ venus तो मोटा carbon-dioxide से भरा मोटा वातावरण है, जिसका अर्थ है कि हर सम्भव जीवन के लिए तुरन्त मृत्यु. इस टकराव के कारण जो पृथ्वी का आकार बढ़ा/

जिसमे उसके वातावरण में भी बदलाव आया, उसके कारण पानी पृथ्वी पर तीनों रूप में रह सकता था/ बर्फ, तरल, और भांप/ और भारी मात्रा में, इतनी मात्रा में कि पानी के चक्र के लिए ये बिलकुल सही हो/ और पानी का ये चक्र जीवन के लिए बहुत जरूरी है/ इसके आस्तित्व और बने रहने दोनों के लिए/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः ह्यू जब मैं ये क्लिप देखता हूँ, मैं इस वैज्ञानिक सबूतों से चकित होता हूँ, कि प्रभु दिखाता है, कि प्रभु ने हमारे चाँद को फाइन ट्यून किया है और मैं चाहता हूँ कि कुछ पल में और भी वैज्ञानिक सबूत के बारे में बताईये लेकिन कुछ लोगों ने कुछ विश्वासियों को ये कहते हुए सुना है, जो कहते हैं कि सूरज, चाँद और तारे चौथे दिन तक नही बनाए गए थे, ये उन्हें बंद कर देता है, थियोलोजिक्ली उत्पत्ति 1 ये नही कहता है. सूरज, चाँद और तारे चौथे दिन अस्तित्व में आए, ये क्या कहता है इस सम्बम्ध में कि आदि में परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी को बनाया?

डॉक्टर ह्यू रॉस: जी, वचन 14 तो चौथे दिन को खोलता है, कि बड़ी ज्योति हो, ये नही कहता कि परमेश्वर ने उन्हें बनाया या उनकी रचना की, ये कहता है कि वो हो, ये पहली बार पानी की सतह पर कुछ प्रकट होने लगा था, ये सृष्टि के 6 रचनात्मक दिनों को मन में रखते हुए सोचिए, और जैसे पहले दिन परमेश्वर ने वातावरण को Opaque से बदलकर Translucent बनाया, और उस बदलाव में चाँद का बनाया जाना तो एक बहुत बड़ी घटना है/ और सृष्टि के 4 थे दिन, वो इसे फिर से बदलता है translucent से transparant बनाता है, सामान्य

रूप में, वो सारा जीवन जो परमेश्वर पहले तीन दिनों में बना रहा था, वो वातावरण में इतना oxygen रखता है, और साथ ही वातावरण के carbon dioxide भी बदल देता है/ तो अब बादल आते हैं और पृथ्वी पर रहनेवाले प्राणी पहली बार, उन चीजों को देखते हैं जो ज्योति के लिए जिम्मेदार हैं/ और ये वचन 15 है, बड़ी ज्योति हो, और इस तरह से रुतु, दिन और साल के लिए ये चिन्ह हो/ जब पहली बार मैंने उत्पत्ति 1 पढ़ा तो मैं चकित हो गया, 4 थे दिन के पहले की ज्योति में नही दिखता कि आकाश में सूरज, चाँद और तारे थे/ लेकिन सारी ज्योति जो परमेश्वर ने 4 थे दिन के बाद बनाई, ये बहुत ही बेचिदा था कि वो सूरज, चाँद और तारों की स्थिति को जाने, कि वो साल के सही समय में रहे और haibarnate हो, और फिर से उत्पन्न करनेवाले हो जाए, साल के सही समय में भोजन करते जाएं, ये bactarial होना जरूरी नही था/ लेकिन mamal हो तो ये जानना जरूरी है कि रुज, चाँद और तारे आकाश में हैं/ जी/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः जी, याने प्रभु कह रहा था कि वो एक उद्देश के साथ हो, इस तरह से अस्तित्व में आने के बारे में, यदि वो इस तरह से कह रहा था कि वो अस्तित्व में आए, तो इसका अर्थ है कि सूरज नही था, चाँद नही था, अस्तित्व में सृष्टि के उन पहले दिनों में, तो ये गुरुत्वाकर्षण में विनाश होता, हैं ना?

डॉक्टर ह्यू रॉस: जी, गुरुत्वाकर्षण के बिना सूरज सही सोलर सिस्टम में नही होता/ पृथ्वी ग्रह पर जीवन संभव नही होता/ और चाँद के बिना ये सही सटीक पानी का चक्र नही होता/ याने अय्यूब 37 ये कहता है कि हमारे १६ अलग तरह के precipitation हैं/ और खासकर ये चाँद बनने की घटना और जिस तरह से ये इस क्लिप में बताया गया है/ कि इस तरह का पानी का चक्र शुरू करने के लिए था/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः अब चलिए इसके साइंटिफिक भाग को देखे, कुछ लोगों ने चाँद पर रिसर्च करने की कोशीश की/ कि पहले कि कुछ तेरी को बताइए. चाँद रिसर्च के बारे में क्या हुआ?

डॉक्टर ह्यू रॉस: जी, चाँद के बारे में हालही की खोज में लोग अब ये जान रहे हैं कि चाँद बनाने की घटना, तो हमने जैसे सोचा था उससे बहुत ही बेचिदा है, हमने जो सोचा था उससे बहुत है ज्यादा fine tune है, कि पृथ्वी ग्रह पर जीवन संभव हो सके/ हमें ये याद रखना होगा की पृथ्वी पर पहले तो आज से 100 गुना ज्यादा पानी था/ इस collusion ने बिलकुल सही मात्रा में पानी दूर किया, और वातावरण में सही mass जोड़ा/ इस वातावरण को इस तरह से बदल दिया कि हम ये अद्भुत रूप में fine tune पानी के चक्र को पा सके/ जो जीवन के संभव करे और केवल जीवन की अनुमति ही न दे पर इसे बढाएं भी/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः चलिए चलते हैं आज की चर्चा के दुसरे पॉइंट में/बताइए कितने तारे हैं, वैज्ञानिक और विद्वान् मानते हैं कि संसार में कितने तारे हैं?

डॉक्टर ह्यू रॉस: जी, देखे जानेवाले संसार में लगभग 200 बिलियन galaxy हैं/ जिसमे 50 बिलियन ट्रिलियन तारे हैं/ और ये तो सारे ब्रम्हाण्ड की चीजों का केवल एक ही प्रतिशत है/ याने 99 प्रतिशत या उससे भी ज्यादा तो देखा नही जा सकता है/ इन तारे, ग्रह और galaxy को/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः ठीक है अब हम क्लिप देखेगे, क्योंकि इस क्लिप पर हम चर्चा करेगे, कि ये बहुत जरूरी थे/ कि हम जीवित रहे, इस पृथ्वी पर जीवन हो, ये बहुत ही अद्भुत है. ये संसार

के फाइन ट्यूनिंग का भाग है. यहाँ तक कि जो तारे प्रभु ने बनाए हैं, जरूरी है, मैं चाहता हूँ कि आप देखे.

जरनी टुवर्ड क्रिएशन से क्लिप

जैसे हम अपने सोलर सिस्टम में आगे बढ़ते हैं तो हम 4 प्रकाश वर्ष आगे बढ़ते हैं, Alpha Centauri की और, जो हमारे सोलर सिस्टम का करीबी तारा है/ सारे संसार के केवल आधे तारे ही अकेले ये कुवारे तारे के रूप में माने जाते हैं/ हमारे सुरज जैसे ही/ Alpha Centauri अकेला तारा नहीं है/ ये तो सामान्य multiple तारों का सिस्टम है/ गुरुत्वाकर्षण के खिचाव से Centauri की मदत से, जीवन को स्थिर बनाए रखना संभव होता है/ याने ज्यादातर तारे जीवन की सहायता करनेवाले होते हैं/

जैसे हम अपने मार्ग में आगे बढ़ते हैं, तो हम पाते हैं कि तारे अलग अलग आकर, रंग और युग के होते हैं/ तारा जितना बड़ा होता है उतना ही वो गर्म और तेज़ है और उसका इंधन उतनी ही जल्दी जलता है/ जो तारे सूरज से बड़े हैं, वो अपना इंधन जल्दी जलते हैं/ और उस कारण उस पर जीवन खत्म हो जाता है/ जो तारे सूरज से छोटे हैं, वो ठडे होते हैं, लेकिन जरूरी होता है कि वो ठंडे भी हो और जीवन के लिए इतने गर्म भी हो/ उनका rotation तो तारों के गुरुत्वाकर्षण के खिंचाव से बहुत ही कम हो गया है/ धीमी गति याने दिन और रात लंबे होना/ और जीवन को नाश करनेवाला तापमान बढ़ जाता है, दिन से रात में,

Alpha Centauri से 250 प्रकाश वर्ष और आगे जाने पर/ हमारे सामने लगभग 1 लाख तारों को देख सकते हैं/ इन तारों में से केवल 100 इतनी दुरी पर हैं, और पाया जाता है कि ग्रह उन के चक्र काटते हैं/ वैज्ञानिक अब अनुमान लगते हैं कि हमारी galaxy के केवल 2 प्रतिशत तारों के ग्रह हैं/ अब तक पाए गए ज्यादातर ग्रह तो केवल gas gaint हैं/ जो Jupiter से 7 गुना बड़े हैं/ ये सब अपने तारों के करीब में चक्र काटते हैं, या इन के non circular, non horizantal orbits हैं/ कुछ भी हो ये पृथ्वी जैसे छोटे चट्टानों के ग्रह को स्थिर नही रखते हैं/ जो शायद इनके पास हो/

हर ग्रह के सिस्टम में से एक candidate जो किसी तरह से इसे दर्शाता है, जिसे हम कहते हैं 55 Cancri in constellation Cancer, पृथ्वी से 41 प्रकाश वर्ष की दूरी पर/ ये तारे लगभग ५ बिलियन साल पुराने हैं/ हमारे सूरज के जितने ही आकार और उम्र के हैं/ इस ग्रह के सिस्टम में तीन gas gaint हैं, जो हमारे सोलर सिस्टम में पाएं जानेवाले जैसे ही हैं/ लेकिन समानता यहाँ पर खत्म होती है/ कि एक gas gaint 55 Cancri में चक्कर काटता है, लगभग उतनी ही दुरी पर जितना Jupiter सूरज से दुरी पर है/ लेकिन ये Jupiter से mass में साडे 4 गुना बड़ा है/ ये अतिरिक्त mass तो वहां अस्तित्व रखनेवाले पृथ्वी के आकार के ग्रह को disturb करता है, जैसे कि दुसरे दो gas gaint दोनों 55 Cancri में चक्कर काटते हैं, इतने करीब में कि जीवन रहनेवाले किसी भी ग्रह में बहुत खिचाव होता है/

अब तक कोई भी extra solar ग्रह जिसके बारे में astronomers ने बताया है, उन में से एक में भी जीवन के लिए जरूरी 200 dezine में से एक भी नही है/ देखिए अवसर हैं कि हम हजारों ग्रह को देखते, हमारे solar system में/ लेकिन संभावना है कि whole suite ग्रहों को पाएं, जैसे हमारे solar system में हैं, अद्‌भुत रूप में रखे गए हैं कि एक ग्रह पर जीवन को बनाए रखे/ ये तो प्रतिदिन दूर होते जा रहा है/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: ये चकित करनेवाली क्लिप है, और लोग इसे देखकर सवाल पूछते हैं, परमेश्वर ने इतने साल क्यों बीतने दिए, कि ये तारे आकार ले और राख हो जाएं और ग्रह बने इतना इतना ज्यादा समय क्यों लगा? परमेश्वर ने इसे तुरंत क्यों नही किया? जैसे बूम ये यहाँ है, उसने ऐसा क्यों नही किया?

डॉक्टर ह्यू रॉस: जी, physics के नियम हमें बताते हैं कि उसने ये चुना है, जिन तत्वों पर जीवन संभव नही होता है उन तत्वों को बनाने के लिए बहुत समय लगता है/ यदि कहे कि physics के ये नियम क्यों हैं/ इस पर पहले ही चर्चा की गई है कि ये physics के नियम जिसे परमेश्वर ने चुना है कि उसके हाथों में साधन हो/ कि बुराई और दू:खों को दूर कर दे/ यदि वो चाहता कि बुराई हमेशा के लिए हो तो वो physics के अलग नियम उपयोग करता था/ लेकिन ये सृष्टि करने में परमेश्वर का मुख्य उद्देश था, इसलिए इतना समय लगा कि सबकुछ मनुष्य के लिए तैयार कर सके/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: जी एयर फिजिक्स का नियम इसका संबंध फ्री चुनाव से भी है, इसे हम देखेगे ये साथ ही बुराई को होने देने के बारे में कहता है, और आनेवाली बुराई के लिए पहले से भी तैयारी भी की है.

डॉक्टर ह्यू रॉस: जी, observation इस संसार को देखने का स्वभाव गुण तो पहले से भी बना है/ कि मनुष्य का जीवन संभव कर सके, जैसे physicyst Freeman Dyson, ने कहा कि जब हम संसार को देखते हैं, तो हम इस निष्कर्ष को नही टाल सकते हैं कि ये किसी तरह से जानता था कि हम मनुष्य आ रहे हैं/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: जी और एक तरीका है जिससे हम देखना चाहते हैं,जैसे वैज्ञानिक इसे देख रहे हैं, कि कुछ सबूत को देखे, और हम देखेगे कि कैसे सूरज, चाँद और तारे इतने विशेष हैं/ ठीक है, शायद हम इसे हल्के रूप में देखे, लेकिन सुनिए, आप अगली क्लीप देखिए, ये अद्भुत है, इसे देखते हैं.

जरनी टुवर्ड क्रिएशन से क्लिप

Gaseous nebulae शायद stellar maternity ward जैसे बताई गई हो, हमारी galaxy जिसे milky way कहते हैं, ये अभी भी नए तारों को जन्म दे रही है/ हमारा सूरज भी बाद में जन्मे तारों के रूप में गिना जाता है/ आप देखते हैं कि जीवन बेचिदा समय पर आधारित है, तारे तो लगभग उसी तरह से बनते और nebulae होते हैं, जैसे पृथ्वी के बदलों पर बारिश की बुँदे बनती हैं/ गुरुत्वाकर्षण तो सबसे मुख्य बात होती है/ gas और धुल के partical एक साथ खींचे चले जाते हैं, गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव के कारण, लेकिन जैसे ये होता है, molicule एक साथ आते और गर्मी होती है, जैसे ये partical एक साथ मिलते जाते हैं, उससे ज्यादा और ज्यादा गर्मी आती है, खासकर इस के केंद्र भाग में, अंत में मध्य भाग इतना गर्म हो जाता है, कि nuclear ज्वाला शुरू होती है/ इस ignation point पर नए तारे जन्म लेते हैं/

जब कि हमारा सूरज भी इसी तरह के जन्म की क्रिया में से होकर गया है/ बहुत से वैज्ञानिक इसे मानते हैं कि ये ये सामान्य तारा है/ लेकिन हालही की कुछ खोज के कारण astronomer को इस पर फिर से सोचने के लिए विवश किया है/ और निश्चय ही हमारा सूरज बहुत ही दुर्लभ है/ दुसरे तो बहुत छोटे या बहुत बड़े हैं, बहुत नए या बहुत पुराने हैं, जिसमे बहुत से तत्व हैं या काफी तत्व नही हैं, हमारे सूरज के rediation और हमारी galaxy में उसकी सटीक जगह, ये सब जीवन के लिए बहुत ही जरूरी चीज़े हैं/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: ह्यू मैं खुद को नही रोक सकता, मुझे याद है जब ये सिद्धान्त बता रहे थे, जहाँ संसार की हर चीज़ बिलकुल सही होगी और हमने उसकी सतह को देखना शुरू भी नही किया था/ क्यों सूरज बिलकुल सही है? इसके बारे में बताइए/

डॉक्टर ह्यू रॉस: जी सूरज में बिलकुल सही mass है कि वो वहां स्थिर रह सके बाकि तारों की तुलना में, लेकिन ये सच है कि इसमें बहुत ही कम समय है, ऐसा समय जो जीवन के लिए काफी हो, ये 4 बिलियन साल से कम ही है, लेकिन जहाँ तक global human civilazation की बात आती है, ये और भी कम हो जाता है, और ये तो अब केवल 1 लाख साल ही हो गया है/ इसलिए परमेश्वर ने मनुष्य को लाने के लिए इतनी देर तक

राह देखी/ यदि वो जीवन को 3.8 बिलियन साल पहले लाता, bio-deposits बनाता और सुरज के इतिहास में इस छोटी सी जगह में वो मनुष्यों को बनाता है/ साथ ही ये बताता है कि परमेश्वर ने हमें इस पृथ्वी पर क्यों रखा उसके उद्देशों को पूरा करता है/ केवल कुछ हजारों साल में/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: हम तो बस भूख बढ़ा रहे हैं, इस सच्चाई की ओर कि क्या प्रभु ने ये सबकुछ किया है, इसका अर्थ है कि पृथ्वी विशेष है और उससे भी बढकर हैं, वो स्त्री पुरुष जो उसने पृथ्वी पर बनाए हैं/ इस छोटे से समय में वो भी उसके कुछ उद्देश के लिए बहुत विशेष है/ एक बार आपने लिखा था कि स्व:इच्छा की बात यहाँ आती है, हम अपने कंप्यूटर को प्रोग्राम कर सकते हैं, कि आपको बताए कि आप से प्यार करता है. ठीक है, लेकिन ये उस व्यक्ति के जैसे नही जो खुद इच्छा से चुनता है. इस बारे में, इसके बारे में बताइए जो चुनाव प्रभु ने दिया है, मौके की छोटी खिड़की थी कि वो इसको कर दिखाए.

डॉक्टर ह्यू रॉस: जी, बाइबल बताती है कि परमेश्वर ने हमें बनाया है कि उसके प्रेम को बढाएं, यही कारण है कि उसने हमें अपनी इच्छा की श्रमता दी है/ याने प्रेम संभव हो सकता है कि मनुष्य परमेश्वर से प्रेम करे और बदले में परमेश्वर मनुष्यों से प्रेम कर सके/ ये बताता है कि संसार इस तरह से क्यों है/ और साथ ही ये बताता है कि क्यों ये बुराई के वश में है/ हम अपनी इच्छा से परमेश्वर की आज्ञा मानना या आज्ञा भंग करना चुन सकते हैं, और परमेश्वर तो पहले से ही जानता था कि क्या होनेवाला है, कुछ भी हो, हम तो सबसे सामर्थी और बुद्धिमान व्यक्ति हैं, जो अब इस बुरी दशा में हैं/ लेकिन परमेश्वर ने पहले ही संसार को इस तरह से बनाया, कि सबसे उत्तम physic से, कि वो अच्छे से और जल्दी से बुराई को खत्म कर दे/

और मैंने मसीहियत के बारे में अद्भुत बात ये देखी है, कि केवल यही आस्था है जो सृष्टि के दो दृष्टिकोण देती है/ जहाँ परमेश्वर पहले बुराई का अंत करने के लिए सृष्टि करता है, और हम मनुष्यों को लेता है इच्छा रखते हैं, इस नई सृष्टि में, जहाँ फिर बुराई अस्तित्व में नही होगी/ क्यों? ये तो केवल हम वहां जाने पर हमारी स्वइच्छा परखी जाएगी, बुराई के सामने में, लेकिन परमेश्वर वहां है कि परीक्षा पास करने में हमारी मदत करे/ जो हम खुद पास नही कर सकते हैं/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: उस पल के बारे में बताइए कि आपको लगा कि टेस्ट पूरी हुई, और प्रभु ने जो मदत दी थी वो ये कि अपने पुत्र को संसार में भेजा कि आपके पाप के लिए मर जाए और आपने उससे क्या लाभ उठाया?/

डॉक्टर ह्यू रॉस: जी, जब मैं 17 साल का था तब मैंने बाइबल गंभीरता से पढना शुरू किया, उसके इस स्थर से बहुत ही प्रभावित हुआ/ और सच में उस स्थर के अनुसार जीने की कोशीश की है/ और जल्दी ही मैंने जान लिया कि ये नही हो सकता, जैसे मैं निरंतर बाइबल पढ़ते चला गया, तो जाना कि स्वय परमेश्वर ने सृष्टिकर्ता को भेजा कि इस पृथ्वी पर मनुष्य बन जाए, और उसने दाम दिया कि हम अपने असिद्धता देकर उसकी सिद्धता ले सके, ये तो महान लेन देन जैसे सुनाई देता है/ मैंने गिडियन बाइबल के पिछले पन्नों में अपना नाम लिखकर दस्तखत किए 19 साल की उम्र में/ जी, मैं ये लेन देन चाहता हूँ/ लेकिन साथ ही ये जान भी लिया कि मुझे परमेश्वर की मदत की जरूरत है कि जिस उद्देश के लिए प्रभु ने मुझे बनाया है उसे मैं पूरा कर सकूं/ गिडियन के बारे में खास बात तो ये है कि वो कहते हैं, परमेश्वर हमसे भी बेहतर तरीके से जानता है, जो जीवन के लिए सबसे अच्छा है, और ये हमारे अच्छा है कि उसे हमारे जीवन का अधिकारी बनाए, याने ये केवल लेन देन स्वीकार करने की बात नही लकिन सृष्टिकर्ता को अपने जीवन का स्वमी होने देना है/ और उसे अनुमति दे कि आप को परीक्षा में पास करे/ जिसे हम खुद पास नही कर सकते हैं/ बिलकुल/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: जी, और वैज्ञानिक जो ये सारी जानकारी देख रहे हैं, संसार के 850 डिज़ाइन स्वभाव गुण, जिसे हम देख रहे हैं वो आपको चकित क्र देगे, कि ये देखे कि प्रभु कितना बुद्धिमान है, सबकुछ कितना सटीक हुआ है. यदि उसने ये किया है तो आप के जीवन में भी सही कर सकता है यदि आप उसे समर्पित होते हैं तो, वो इसी के बारे में कह रहा है.

दोस्तों, हम कहना चाहते हैं, अपना विश्वास और भरोसा यीशु मसीह में रखे, उसने जो भी जरूरी है वो किया है कि आपके पाप माफ किए जाए और आप प्रभु के सामने खड़े रहे, निर्दोष, निष्कलंक, पापों से आज़ाद होकर.

अब अगले हफ्ते हम देखेगे, संसार के और भी फाइन ट्यून स्वभाव गुणों को, उन में से एक तो बहुत ही हालही का है, जिसे डार्क एनर्जी कहते हैं, जो बहुत बेचिदा है लेकिन अविश्वसनीय है जब हम इसे सुनते हैं और फिर हम बाइबल के रेकोड्र्स को देखेगे कि यहाँ क्या कहा गया है, आशा करता हूँ कि आप हमारे साथ फिर जुड़ जाएगे.

द जॉन एन्करबर्ग शो

पी ओ बॉक्स 8977

Chattanooga, TN 37414

जे ए शो डॉट ऑर्ग

001-423-892-7722

Copyright 2015 ATRI